कुल्हड़ का बाजा

चित्रः सीमा जबीं हुसैन

Room to Read

रूम टू रीड, साक्षरता और शिक्षा में लैंगिक समानता को केंद्र में रख कर विकासशील देशों के लाखों बच्चों की ज़िंदगियों में बदलाव के लिए प्रयासरत है। हम स्थानीय समुदायों, सहयोगी संस्थाओं और सरकारों के साथ मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए काम करते हैं तथा बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में, जीवन कौशलों को विकसित करते हुए, मदद करते हैं। ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें और जीवन में सफल हो सकें।

Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develop literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.

कुल्हड़ का बाजा

Earthen Cup Orchestra

Copyright © Room to Read 2020.
All rights reserved.
Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor, D-21 Corporate Park,
Sector-21, Dwarka, New Delhi-110075
www.roomtoread.org

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी अंश पुनःमुद्रित नहीं किया जा सकता है।

No part of this publication may be reproduced in whole or in part or stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the publisher.

समर्पित | Dedication

इस किताब का बनना रूम टू रीड के उदार दानदाताओं के कारण संभव हो पाया है।

This book was made possible by the generous donors of Room to Read.

Visit us at https://literacycloud.org/ to read more books Online

कुल्हड़ का बाजा

मम्मी चाचा साहिल निगार

चाचा दही लेकर आए।

दही के चार कुल्हड़ थे।

मम्मी ने दही पतीले में डाल दिया।

चारों कुल्हड़ ख़ाली हो गए।

साहिल और निगार ने कुल्हड़ ले लिये।

साहिल ने चम्मच उठा ली।

दोनों आँगन में बैठ गए।

निगार ने कुल्हड़ को चम्मच से बजाया।

कुल्हड़ टूट गया।

मम्मी ने एक काग़ज़ दिया।

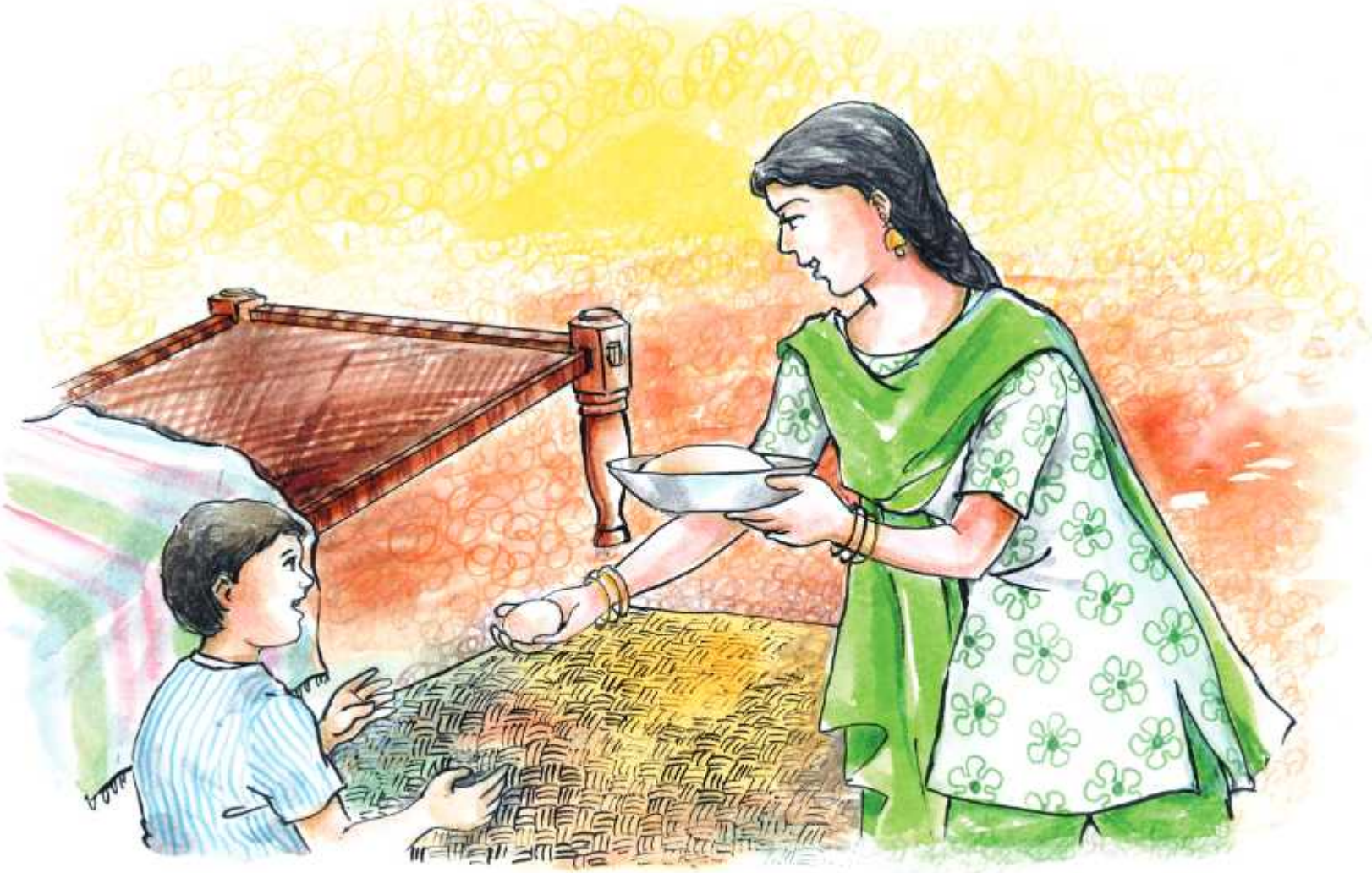

मम्मी ने आटे की एक लोई भी दी।

साहिल ने लोई कुल्हड़ के मुँह पर चिपकाई।

निगार ने लोई पर काग़ज़ चिपका दिया।

कुल्हड़ को धूप में सूखने रख दिया।

दोनों ने डंडी से बाजा बजाया।

निगार और साहिल की अन्य चार कहानियाँ। निगार और साहिल ने बर्तनों के साथ और कैसे-कैसे खेल खेले...

प्रकाशक: रूम टू रीड इंडिया
Publisher: Room to Read India

भाषा: हिंदी
Language: Hindi

संस्करण: प्रथम, 3500 प्रतियाँ
Edition: First, 3500 Copies

प्रिंटर:
Printer:

यह कहानी उन पाँच कहानियों की श्रृंखला में से एक है जो बिल्कुल शुरुआती पाठकों के लिए तैयार की गई हैं। पाँचों कहानियाँ एक ही परिवेश में सक्रिय चरित्रों के एक समूह के इर्दगिर्द बुनी गई हैं। इन कहानियों के पाठ सहभागियों के एक समूह द्वारा तीन कार्यशालाओं में तैयार किये गए। ये कार्यशालाएँ रूम टू रीड ने दिल्ली में 15 जून और जुलाई, 2011 के बीच आयोजित की थी। कार्यशालाएँ सभी प्रकार के सहभागियों को शुरुआती पाठकों की ज़रूरतों और रुचियों के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थीं। इन कार्यशालाओं में एक ओर कुछ ऐसे लोग शामिल थे जिन्हें इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल थी, तो दूसरी ओर भारत के अलग–अलग प्रांतों और दूर–दराज़ के गाँवों से आने वाले सरकारी विद्यालयों के शिक्षक, रूम टू रीड में काम करने वाले अलग–अलग कार्यक्रमों के लोग और बच्चों की किताबों के लिए रेखांकन करने वाले चित्रकार भी शामिल थे।

पाँच कहानियों की इस श्रृंखला के पाठ मुख्य रूप से इन सहभागियों ने तैयार किए–आशाराम नामदेव, जी. पी. मिश्रा, मुकेश मालवीय, फूलचंद्र जैन और रामेशवर प्रसाद। कार्यशाला में शामिल अन्य सहभागियों ने महत्वपूर्ण सुझाव देकर इन्हें अंतिम रूप देने में मदद की।

This story is one in a series of five early grade readers weaved around the same set of characters. This series was developed by a group who participated in a series of three workshops organized in Delhi between June 1st and July 15th, 2001 by Room to Read, India. The workshops were orgazined with an aim to sensitize the diverse group of participants to various issues pertaining to the challenges of developing appropriate reading materials for early grade readers. Among the participants, there were experts on early grade reading materials, government school teachers-mostly from rural backgrounds and from different states of India-monitors associated with Room to Read's Reading Room program, and illustrators.

Content for this series was developed by Asha Ram Namdev, G.P. Mishra, Mukesh Malviya, Phoolchandra Jain, and Rameshwar Prasad. However, participants other than those mentioned here also helped in finalizing the story by offering critical feedback and suggestions.

चित्रः सीमा जबीं हुसैन

सीमा जबीं हुसैन ने लखनऊ आर्ट्स कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। वे दिल्ली में स्वतंत्र रूप से लगभग पिछले चौदह वर्षों से बतौर विज़ुअल आर्टिस्ट और चित्रकार काम कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने बच्चों की खूब सारी किताबों का चित्रांकन किया है। सीमा का मानना है कि बच्चे अत्यंत ग्रहणशील होते हैं और उनमें अवलोकन की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए छोटे बच्चों को प्रभावी तरीके से शैक्षिक और पर्यवेक्षण की प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है।

Illustration: Seema Jabin Hussain

Seema Jabin Hussain graduated with a degree in Art from Lucknow Arts College. She has been working in Delhi as a freelance illustrator and visual artist for almost fourteen years, and has illustrated several children's books during that time. Seema feels that children are keen observers-making it possible to educationally and visually engage them effectively.

यह कहानी बिल्कुल शुरुआती पाठकों के लिए लिखी गई पाँच कहानियों की श्रृंखला में से एक है। ये रसोई के बर्तनों के साथ बच्चों के अलग–अलग कारनामों की कहानियाँ हैं। आइए साहिल और निगार के साथ मिलकर कुल्हड़ का बाजा बनाते हैं।

This early reader is one in a series of titles that explores different uses for kitchen utensils. Join Sahil and Nigar as they build an orchestra from an earthen cup and a spoon.

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

समग्र शिक्षा

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

Room to Read

World Change Starts with Educated Children.

9 789383 038246